मूँगफली	നിലക്കടല , **ground nut**
सुर्ख	**रक्तवर्ण , red coloured** ചുവന്ന
मुलायम	മാർദ്ദവമുള്ള , **soft**
घंटी	മണി , **bell**
स्याही	മഷി , **ink**

फेरीवाला	വഴിയാത്ര കച്ചവടക്കാരൻ
साल	**वर्ष ,** വർഷം
सवारी गाड़ियाँ	**Passenger vehicles,** യാത്രയ്ക്ക് ഉപയോഗിക്കുന്ന വാഹനങ്ങൾ
माल गाड़ियाँ	**Goods vehicles,** ചരക്കു വാഹനങ്ങൾ
टापों की आवाज़	കുളമ്പടി ശബ്ദം , **sound of hoof**

छिड़कना	**to sprinkle,** കുടഞ്ഞു കളയുക
घड़े को ढुलाना	**घड़े के पानी को नीचे गिरा देना** കുടത്തിലെ വെള്ളം ചെരിച്ച് കളയുക

घड़े को ढुलाना ।	**घड़े के पानी को नीचे गिरा देना ।** കുടത്തിലെ വെള്ളം ചെരിച്ച് കളയുക
बिजली के खंभे	**Electric posts**
तंग गलियाँ	ചെറിയ തെരുവ്, **Narrow street**

कस्बा	**छोटा शहर,** ചെറിയ പട്ടണം, **small town**
खुर	കുളമ്പ്, **Hoof**

गधा	**Donkey,** കഴുത
कुम्हार	**Potter,** കുംഭാരൻ

बादल बहुत बरस लिए थे। फिर भी बहुत सारा पानी उनमें बचा हुआ था। वे खेतों, जंगलों के ऊपर छाए हुए थे। सारा आकाश मेघों से भरा था। मेघों की छायाओं में गीली हवाएँ इधर-उधर घूम रही थीं। पेड़ों के तने अभी भी गीले थे। मूंगफलियों के हरे खेतों में पीले फूल अभी भी गीले थे। खेतों में छोटा-छोटा बाजरा उगा था। बाजरे के लंबे पतले पातों में पानी की बूंदें अटकी हुई थीं। बारिश की हवा में गीले खेतों और बारिश की हरियाली की गंध घुली हुई थी।

1. **खेतों और जंगलों के ऊपर क्या छाए हुए थे?**

   खेतों और जंगलों के ऊपर बादल छाए हुए थे।

2. **आकाश कैसे भरा था ?**

   आकाश मेघों से भरा था।

3. हवाएँ कैसी थी ?

हवाएँ गीली थीं।

4. पड़ों के तने अभी भी कैसे थे ?

पड़ों के तते अभी भी गीले थे।

5. मूंगफलियों के फूल कैसे थे ?

मूंगफलियों के फूल पीले थे।

6. बाजरे के पातों की विशेषता क्या है ?

बाजरे के पात (पत्ते) लंबे और पतले है।

7. इनमें विशेषण शब्द क्या-क्या हैं?

सारा आकाश	सारा
गीली हवा	....
हरे खेत	....
छोटा बाजरा	....
पीले फूल	....

उन्हें बीरबहूटियों से मिलना होता था। सो वे स्कूल के लिए घर से कुछ समय पहले निकल आते थे। कस्बे से सटे इन खेतों में बीरबहूटियाँ खोजा करते थे। सुर्ख, मुलायम, गदबदी बीरबहूटियाँ। धरती पर चलती-फिरती खून की प्यारी-प्यारी बूंदें। उनके बस्ते उनकी पीठ पर लदे होते थे, कंधों पर टंगे होते थे। वे एक-दूसरे के बहुत नज़दीक रहकर, बल्कि कहना चाहिए बिलकुल सटकर बीरबहूटियाँ खोजते थे। उन्हें देखने के लिए वे बारिश की गंध भरी भूरी ज़मीन पर बैठ जाया करते थे।

8. वे स्कूल के लिए घर से कुछ समय पहले निकल आते थे। कौन ?

बेला और साहिल।

9. वे स्कूल के लिए घर से कुछ समय पहले निकल आते थे।क्यों ?

   बीरबहूटियाँ खोजने केलिए।

10. बीरबहूटियों की विशेषताएँ क्या - क्या हैं?

    सुर्ख, मुलायम, गदबदी बीरबहूटियाँ, धरती पर चलती-फिरती खून की प्यारी-प्यारी बूंदें।

11. धरती पर चलते वक्त बीरबहूटियाँ कैसे लगती है ?

    खून की प्यारी-प्यारी बूंदें लगती है।

12. कहानी के मुख्य पात्र कौन-कौन है ?

    बेला और साहिल।

13. बीरबहूटी के रंग की तुलना किससे की है ? क्यों ?

    बेला के रिबन से तुलना की है। क्योंकि दोनों का रंग लाल है।

14. बीरबहूटियों को देखते वक्त बेला और साहिल दोनों के बीच की बातचीत लिखें।

    साहिल : बेला, देखो.......

    बेला : क्या है साहिल?

    साहिल : इस बीरबहूटी का रंग देखो। कैसे लगता है बेला ?

    बेला : लाल रंग की हैं।

    साहिल : तुम्हारे रिबन के जैसा लाल है।

    बेला : ठीक है साहिल।

    साहिल : "तुमने कुछ सुना बेला? "...

    बेला : "हाँ, सुना। पहली घंटी लग गई है।"

    साहिल : "लेकिन.....

    बेला : क्या लेकिन.....

    साहिल : "मुझे पैन में स्याही भी भरवानी है, दुकान से।"

बेला : ठीक है साहिल, हमें जल्दी जाएँ।

" वे एक-दूसरे के बहुत नज़दीक रहकर, बल्कि कहना चाहिए बिलकुल सटकर बीरबहूटियाँ खोजते थे। उन्हें देखने के लिए वे बारिश की गंध भरी भूरी ज़मीन पर बैठ जाया करते थे। बेला, देखो इस बीरबहूटी का रंग तुम्हारे रिबन के जैसा लाल है।" साहिल ने कहा तुमने कुछ सुना बेला?" हाँ, सुना। पहली घंटी लग गई है।" लेकिन मुझे पैन में स्याही भी भरवानी है, दुकान से।"

15. कहानी के इस प्रसंग के आधार पर पटकथा का एक दृश्य तैयार करें।

पटकथा

दृश्य - 1 - बेला और साहिल एक-दूसरे के बहुत नज़दीक रहकर बीरबहूटियाँ खोजते हैं।

स्थान : खेत।

समय : सबेरे।

पात्र : बेला और साहिल।

आयू : ग्यारह साल के बच्चे।

वेष-भूषा : स्कूल की वर्दी।

<u>संवाद</u> :

बेला : देखो , साहिल यहॉ कितनी बीरबहूटियॉ हैं ।

साहिल : हॉ , मैं ने देखा ।इसका रंग तुम्हारे रिबन जैसा लाल हैं।

बेला : ठीक है। ये कितने सुर्ख , मुलायम , और गदबदी हैं।धरती पर चलती - फिरती खून की बूँदें जैसा हैं।

साहिल : तुमने कुछ सुना बेला ?

बेला : हॉ सुना । स्कूल में पहली घंटी लग गई है।जल्दी चलो , देर हो जाएगी।

साहिल : रूको बेला । मुझे दूकान से पैन में स्याही भरवानी है।

बेला : तो चलो , जल्दी चलो।

(दोनों बच्चे बस्ती और वर्दी ठीक करके दूकान की ओर जाने लगते हैं।)

उन्नीस सौ इक्यासी का साल। राजस्थान में जयपुर के नज़दीक सवारी गाड़ियों और मालगाड़ियों से सदा भरा फुलेरा जंक्शन। कस्बे की लगभग सूनी तंग गलियाँ। गलियों में खामोश खड़े बिजली के खंभे।खंभों के बीच खिंची तारों की कतारें ।

उन्नीस सौ - 1900
अस्सी - 80
इक्यासी - 81
उन्नीस सौ इक्यासी - 1981

16. फुलेरा जंक्शन की विशेषताएँ क्या-क्या है ?

    सवारी गाड़ियों और मालगाड़ियों से सदा भरा फुलेरा जंक्शन है।

17. फुलेरा की गलियों की विशेषताएँ क्या-क्या है ?

    कस्बे की लगभग सूनी तंग गलियाँ। गलियों में खामोश खड़े बिजली के खंभे।खंभों के बीच खिंची तारों की कतारें भी हैं।

इन गलियों में जहाँ-तहाँ दिखाई पड़ते मीठी घंटियाँ बजाते फेरीवाले। एक अंधेरी-सी गली में छह सात गधों की खुरों की टापों की आवाजें। उनके पीछे चलता एक बदन उघाड़े कुम्हार ।

18. गलियों में जहाँ-तहाँ क्या दिखाई पड़ते थे ?

    गलियों में जहाँ-तहाँ मीठी घंटियाँ बजाते फेरीवाले दिखाई पड़ते थे।

इसी दृश्य के बीच से गुज़रते हुए दो स्कूली बच्चे - बेला और साहिल । उन दिनों पैन में पाँच पैसे में नीली स्याही भरी जाती थी। स्टेशनरी की दुकानवाले ड्रॉपर से पैन में स्याही भरते थे।

19. दो स्कूली बच्चे कौन-कौन है ?

बेला और साहिल ।

20. उन दिनों पैन में कितने पैसे में नीली स्याही भरी जाती थी।

    पाँच पैसे में।

21. स्टेशनरी की दुकानवाले पैन में कैसे स्याही भरते थे।

    ड्रॉपर से।

22. बेला और साहिल अब कहाँ जाते हैं ?

    पैन में स्याही भरवाने के लिए स्टेशनरी की दुकान तक।

पैन में कुछ स्याही बची थी, उसे साहिल ने ज़मीन पर छिड़क दिया। नई स्याही भरवाने के लिए दोनों दुकान पर पहुंचे। एक पैन स्याही भर दो।" साहिल से पहले ही बेला ने दुकानवाले से कहा। "बेटा स्याही की बोतल अभी-अभी खाली हो गई है। अब तो कल ही मिल पाएगी।"

लेकिन इसने तो पैन में जो स्याही थी उसे भी ज़मीन पर छिड़क दिया।" बेला बोली। बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए। दुकानवाले भैया ने कहा। और पूछा "कौन-सी में पढ़ते हो "? "पाँचवीं में।" साहिल ने ऐसे बुरे मन से बताया जैसे पाँचवीं में पढ़ना पाप हो।

"दोनों?" दुकानवाले भैया ने कहा। "हाँ दोनों, और हम दोनों का सैक्शन भी एक ही है - ए।" बेला ने ऐसे खुश होकर बताया जैसे यह कोई बहुत बड़ी बात हो।

23. बेला ने दुकानवाले से क्या कहा ?

    बेला ने दुकानवाले से कहा कि एक पैन स्याही भर दो।

24. तब दुकानवाला क्या जवाब दिया ?

    "बेटा स्याही की बोतल अभी-अभी खाली हो गई है। अब तो कल ही मिल पाएगी।"

25. दुकानवाले का जवाब सुनकर बेला क्या बोली ?

    लेकिन इसने तो पैन में जो स्याही थी उसे भी ज़मीन पर छिड़क दिया।

26. तब दुकानवाले ने क्या कहा ?

बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए। दुकानवाले भैया ने कहा।

"बादल को देख कर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए।" दुकानवाले भैया ने ऐसा क्यों कहा?

साहिल पैन में स्याही भरवाने के लिए स्टेशनरी की दुकान पर जाते वक्त पैन में जो स्याही थी उसे भी ज़मीन पर छिड़क दिया।यह बात सुनकर दुकानवाले ने ऐसा कहा कि "बादल को देख कर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए।" इस कथन का मतलब है कि किसी बात पर केवल अंदाज़ा लेकर काम करना उचित नहीं है।

27. बेला और साहिल कौन-सी कक्षा में पढ़ते हैं ?

    पाँचवीं में।

28. दुकानवाले के प्रश्न का उत्तर साहिल ने कैसा बताया ?

    साहिल ने ऐसे बुरे मन से बताया जैसे पाँचवीं में पढ़ना पाप हो।

29. “दोनों?" दुकानवाले भैया ने ऐसे पूछने पर बेला ने क्या कहा ? और कैसे कहा ?

    “हाँ दोनों, और हम दोनों का सैक्शन भी एक ही है - ए।” बेला ने ऐसे खुश होकर बताया जैसे यह कोई बहुत बड़ी बात हो।

क्लास में दोनों पास-पास बैठते थे। कॉपी में काम करते तो दोनों कॉपी में काम करते थे। किताब पढ़ते तो दोनों किताब पढ़ते। बल्कि पाठ भी एक ही पढ़ते। साहिल “चमक उठी सन सत्तावन में, वह तलवार पुरानी थी। पढ़ता तो बेला भी “चमक उठी सन सत्तावन में, वह तलवार पुरानी थी” पढ़ती थी। बेला कहती, “बहन जी पानी पीने चली जाऊँ?" साहिल भी कहता, “बहन जी पानी पीने चला जाऊँ?”

30. उपर्युक्त खंड़ से बेला और साहिल के बारे में हमें क्या पता लगता है ?

पता लगता है कि दोनों दिली दोस्त है।

31. वाक्य पढ़ें और आशय समझें। सही प्रस्तावों पर सही और गलत प्रस्तावों पर गलत लिखें।

क्रम संख्या	**प्रस्ताव**	**सही/गलत**
१	साहिल ने दुकान से स्याही भरवाई।	**गलत**
२	सारा आकाश मेघों से भरा था।	
३	पैन में बची स्याही को बेला ने जमीन पर छिड़क दिया।	
४	मूंगफलियों में पीले फूल हैं।	
५	स्कूल के रास्ते में बेला और साहिल बीरबहूटियाँ खोजते थे।	
६	बीरबहूटियाँ सुर्ख, मुलायम और गदबदी होती हैं।	
७	बेला और साहिल स्कूल के लिए कुछ समय पहले निकल आते थे।	
८	बीरबहूटियों का रंग बेला के रिबन के जैसा लाल है।	
९	नई चीजें मिलने की प्रतीक्षा में अपने पास की चीजों को नष्ट करना है।	
१०	इस कहानी में बारिश के मौसम का वर्णन है।	